STUDENTS SKILLS
Practice Makes Perfect

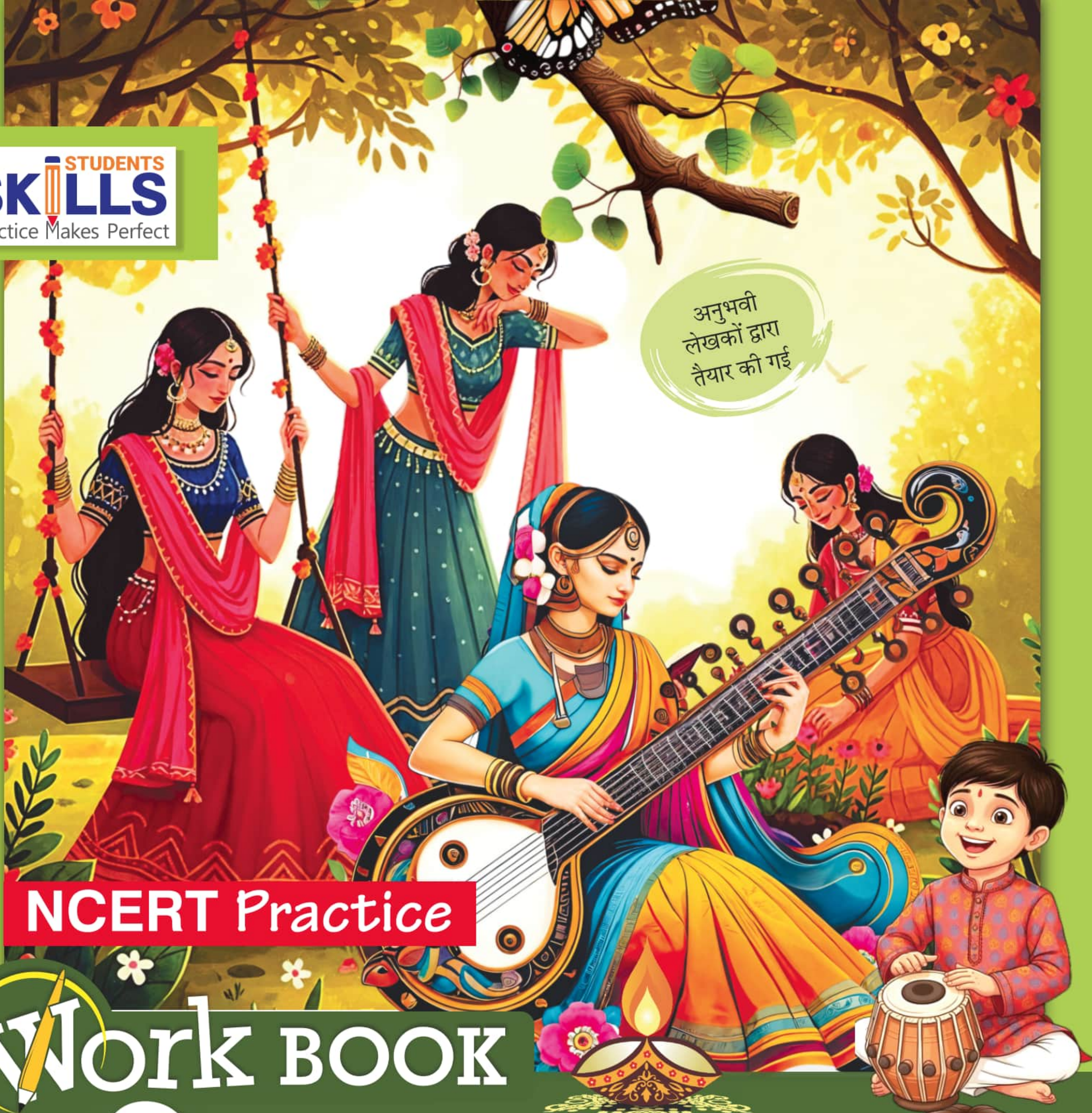

अनुभवी लेखकों द्वारा तैयार की गई

NCERT Practice

Work BOOK

दीपकम्

संस्कृत-पाठ्यपुस्तकम्

TEACHER'S MANUAL

भागः 6

गीतांजली गुप्ता

1. वयं वर्णमालां पठामः

1. **स्वर वर्णमाला पूरयत (स्वर वर्णमाला पूरी कीजिए)–**
अ **आ** इ **ई** उ **ऊ** ऋ **ए** ऐ ओ **औ**।
2. **व्यञ्जन वर्णमाला सम्पूर्णं कुरुत। (व्यञ्जन वर्णमाला पूरी कीजिए)–**
   (i) **क्**, ख्, **ग्**, घ्, **ङ**।
   (ii) च्, **छ्**, ज्, **झ्**, ञ्।
   (iii) ट्, **ठ्**, ड्, **ढ्**, **ण्**।
   (iv) त्, थ्, **द्**, ध, **न्**।
   (v) **प्**, फ्, **ब्**, भ्, म्।
   (vi) य्, **र्**, ल्, **व्**।
   (vii) श्, **ष्**, स्, **ह्**।
3. **अधोदत्ते पदानां वर्ण विच्छेदे रिक्त स्थान पूर्ति कुरुत। (नीचे दिए पदों के वर्ण विच्छेद से रिक्त स्थान पूर्ति करो)–**
   (i) प्रथम = प् + **र्** + अ + **थ्** + अ + **म्** + आ।
   (ii) दृगः = **द्**, + ऋ + **ग्** + अ + **:**।
   (iii) नद्य = न + **द्** + **य्** + आ।
   (iv) पर्वतः = प् + **र्** + **अ** + व् + अ + त् + **अ** + :।
   (v) मृगः = **म्** + ऋ + **ग्** + अ + **:** ।
   (vi) क्षेत्रम् = क् + ष् + **ए** + त् + **र्** + अ + म्
4. **अधोदत्ते पदानां वर्ण संयोगे रिक्त स्थान पूर्ति कुरुत–**
   (i) **आश्रमः** = आ + श् + र् + अ + म् + अ + :।
   (ii) **कुत्र** = क् + उ + त् + र + आ।
   (iii) **प्रत्येक** = प् + र् + अ + त् + य + ए + क् + अ।
   (iv) **आश्रय** = आ + श् + र् + अ + य् + आ।
   (v) **विद्या** = व् + इ + द् + य् + आ।
5. (iv) **इ**
6. (iv) **ऋ**
7. (iii) **ओ**
8. (iii) **46**
9. (ii) **4 (स्वराः, स्पर्श व्यञ्जनानि, ऊष्मव्यञ्जनानि, अनुनासिकः)**
10. **व्यञ्जनानां चत्वारः भेदाः सन्ति–**
   (i) **स्पर्शाः वर्णाः**
   (ii) **अन्तस्था वर्णाः**
   (iii) **उष्णःवर्णाः**
   (iv) **अयोगवाहौ वर्णाः**
11. **क ख ग घ ङ। च छ ज झ ञ। ट ठ ड ढ ण। त थ द ध न। प फ व भ म**
12. **य र ल व।**
13. **श ष स ह।**
14. **अं अः**
15. **प्रथम-वर्णेन पदं लिखन्तु?**

वर्ण	पदं	वर्णः	पद
अ	**अग्निः**	च	**चक्रः**
क	**कन्दुकः**	म	**मञ्जुलः**
घ	**घटः**	प	**पवनः**
फ	**फलम्**	व	**वर्णः**
ह	**हंसः**	त	**तापः**

16. **स्व-परिवारस्य सदस्यानां पूर्ण-नामामि लिखन्तु?**

	उपाधिः	प्रथम नाम	कुल नाम
पिता मही	**श्री मती**	**आशा**	**शर्मा**
पितामहः	**श्री मान**	**दिनेश**	**शर्मा**
मातामही	**श्री मती**	**आरती**	**देवी**
मातामहः	**श्री मान**	**जगदीश**	**शर्मा**
माता	**श्री मती**	**ममता**	**शर्मा**
पिता	**श्री मान**	**रमेश**	**शर्मा**
भगिनी	**सुश्री**	**वानी**	**शर्मा**
भ्राता	**श्री मान**	**अक्षत**	**शर्मा**

17. **मातृभाषा अर्थं लिखन्तु?**

संस्कृत-शब्द	हिन्दी अर्थ	संस्कृत-शब्द	हिन्दी अर्थ
वित्तम्	**धन**	अर्णवः	**सागर**
सन्धिः	**दो वर्णों का मेल**	बाह्यम्	**बाहरी**
संयमः	**आत्मनियन्त्रण**	ग्रहणम्	**पकड़ना/ स्वीकार करना**
नरेन्द्रः	**राजा/सम्राट**	वज्रम्	**इन्द्र का शस्त्र/हीरा**
पुष्करम्	**कमल**	ब्रह्म	**परमेश्वर**

18. **कस्य चित्रम्? लिखन्तु।**
   (i) **शंकर**
   (ii) **अजः**
   (iii) **हनुमान**
   (iv) **पुष्करम्**
   (v) **मत्स्यः**
19. **कण्ठः**
20. **ओष्ठः**

2. एषः कः? एषा का? एतत् किम्?

1. चित्राणि दृष्ट्वा संस्कृतपदानि लिखन्तु।

(i) **बालकः**

(ii) **गजः**

(iii) **बालिकाः**

(iv) **वृक्षः**

(v) **अजा**

2. उदारणानुसारं पट्टिकातः पदानि चित्वा रिक्तस्थानेषु लिखन्तु।

	एकवचन्	बहुवचनम्
(क)	शुक्र:	शुक्रा:
(ख)	बालक:	बालका:
(ग)	फलम्	फलानि:
(घ)	अजा	अजा:
(ङ)	मयूर:	मयूरौ
(च)	शिक्षक:	शिक्षका:
(छ)	पत्रकार:	पत्रकारा:

3. उदाहरणं दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

यथा–शुकः, शुकौ, शुकाः

(i) सैनिक: **सैनिकौ**, **सैनिकाः**।

(ii) **रजकः**, रजकौ, **रजकाः**।

(iii) **देवः**, **देवौ**, देवा:।

(iv) शिक्षिका, **शिक्षिके**, **शिक्षिकाः**।

(v) **फलम्**, **फले**, फलानि।

4. परस्परं सम्बद्धानि पदानि संयोजयन्तु रिक्तस्थानेषु पूरयन्तु च।

(क)	एतौ	बालकौ
(ख)	स:	शुक:
(ग)	ते	शिक्षिके
(घ)	एते	बालिके
(ङ)	तानि	फलानि
(च)	तौ	खादत:

5. उदाहरणानुसारं पट्टिकातः पदानि चित्वा रिक्तस्थानेषु संयोजयन्तु।

(i)	स:	**शुक्रः, स्यूतः, वृक्षः, कुक्कुरः।**
(ii)	सा	**पार्वती, महिषी, अजा।**
(iii)	तत्	**फलम्, पुष्पम्, पुस्तकम्।**

6. पट्टिकायां कानिचन पदानि सन्ति, तानि पदानि उचिते स्थाने पूरयन्तु।

एष:—सैनिक:	एषा—अजा	एतत्—फलम्
चषक:	वृद्धा	वातायनम्
वृक्ष:	महिषी	द्वारम्
कुक्कुर:	गायिका	अङकनी
शुक:		जलम्

7. परस्परं सम्बद्धानि पदानि संयोजयन्तु, रिक्त स्थानेषु पूरयन्तु च।

(क)	गायिका	गायति
(ख)	कमलम्	विकसति
(ग)	नर्तक:	नृत्यति
(घ)	चालक:	चालयति
(ङ)	लेखक:	लिखति
(च)	फलम्	पतति

8. (क) लता

9. (घ) पिता

10. कोष्ठकेभ्यः उचितानि पदानि चित्वा वाक्यानि रचयन्तु।

(क) क: तन्त्रज्ञ गच्छति? का बालिका: गच्छति? का शिक्षिका गच्छति?

(ख) क: बालक: पठित? का जानकी पठति? क: रमेश: पठति?

(ग) किं फलम् पतति? किं जलम् पतति? किम् कुसुमय् पतति?

(घ) क: कुक्कुर: धावित? क: बालक: धावित? क: शुनक: धावित?

(ङ) का माता अस्ति? क: पिता अस्ति? किम् वाहनम् अस्ति?

11. निम्नलिखितानि वाक्यानि अधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुर्वन्तु।

(क)	स: वृक्ष:।	**सः कः?**
(ख)	सा शिक्षिका।	**सा काः?**
(ग)	सा लता।	**सा काः?**
(घ)	सा छात्रा:।	**सा काः?**
(ङ)	स: गज:।	**सः कः?**

12. पट्टिकातः उपयुक्तपदं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयन्तु।

(क) स: वृक्ष:।

(ख) तौ गजौ।

(ग) ते बालिके।

(घ) तत् चक्रम्।

(ङ) ते वैद्या:।

(च) तानि पुस्तकानि।

(छ) सा अजा।

(ज) ते पत्रे।

(झ) ता: बालिका:।

13. मातृमाषया अर्थं लिखन्तु।

	संस्कृत्	मातृभाषया (हिन्दी
(क)	सोपानम्	सीढ़ी
(ख)	दूरदर्शनम्	दूरदर्शन
(ग)	पुस्तकम्	पुस्तक
(घ)	लता	बेल
(ङ)	फलम्	फल
(च)	अजा	बकरी

14. तेषाम् संस्कृतम् लिखन्तु।

	हिन्दी	संस्कृतम्
(क)	नाचती है	नृत्यति
(ख)	फल	फलम्
(ग)	हाथी	गजः
(घ)	बच्चे	बालकाः
(ङ)	वह	सः
(च)	कमल	कमलम्

3. अहं च त्वं च

1. अधोलिखितेषु विकल्पेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत।

(i) (ग) गौतम

(ii) (क) आवाम्

(iii) (ग) पाचिके

(iv) (क) सैनिकी

(v) (ग) त्वं

(vi) (ख) अस्मि

(vii) (ख) स्वः

(viii) (घ) यूयम्

(ix) (ख) अस्मि

(x) (ग) अस्मि

2. अधोलिखितेषु वाक्येषु पट्टिकातः उचितै पदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

(क) **आवाम्** गायक स्वः।

(ख) **यूयम्** पाचकौ स्थ।

(ग) **वयम्** पत्रकाराः स्मः।

(घ) **युवाम्** सैनिकः स्थः।

(ङ) **वयम्** पत्रकाराः स्मः।

(च) **त्वम्** गायकः असि।

2. उदाहरणानुगुणम् उत्तराणां प्रश्ननिर्माणं कुर्वन्तु।

(क)	वयं शिक्षिकाः।	**काः शिक्षिकाः?**	**यूयं काः?**
(ख)	अहं न्यायाधीशः।	**कः न्यायाधीशः?**	**त्वं कः?**
(ग)	यूयं छात्राः।	**यूयं छात्राः?**	**यूयं काः?**
(घ)	त्वं तन्त्रज्ञः।	**काः तन्त्रज्ञः?**	**त्वं काः ?**
(ङ)	आवाम् गायके।	**के गायके?**	**युवां के?**

4. अधोलिखितेषु वाक्येषु पट्टिकातः उचितैः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

(क) विद्यालये **वयम्** स्मः।

(ख) **आवाम्** शिक्षकौ स्वः।

(ग) समायां **यूयं** गायिके स्थः।

(घ) वैद्यालये **त्वम्** चिकित्सका असि।

(ङ) मञ्चे **युवाम्** नर्तक्यः स्थः।

5. चित्रं दृष्ट्वा वाक्यानि लिखन्तु।

(क) अहं नर्तकः अस्मिः।
आवाम् नर्तक्यौ स्वः।
वयम् नर्तक्यः स्मः।

(ख) अहं शिक्षकः अस्मि।
आवां शिक्षकौ स्वः।
वयं शिक्षकाः स्मः।

(ग) अहम् आरक्षिका अस्मि।
आवाम् आरक्षिके स्वः।
वयम् आरक्षिकाः स्मः।

(घ) त्वं सैनिकः असि।
युवाम् सैनिकौ स्थः।
यूयं सैनिकाः स्थ।

(ङ) त्वं छात्रा असि।
युवाम् छात्रे स्थः।
यूयं छात्राः स्थ।

6. मातृभाषाया अर्थ लिखन्तु।

क्र०सं०	शब्दः	हिन्दी अर्थ
1.	त्वम्	तुम
2.	अहम्	मैं
3.	सैनिकः	सैनिक
4.	आवाम्	हम दोनों
5.	वयम्	हम लोग
6.	युवाम्	तुम दोनों
7.	अस्ति	है
8.	स्तः	(दो) हैं

9.	मम्	मेरा/मेरी
10.	यूयम्	तुम लोग

7. संस्कृतम् अर्थ लिखन्तु।

क्र०सं०	हिन्दी	संस्कृत
1.	वैद्या	चिकित्सका
2.	छात्र	छात्र:
3.	गायक	गायक:
4.	चालक	चालक:
5.	धन	द्रविणम्
6.	खिलाड़ी	क्रीडक:
7.	है!	अस्ति
8.	मैं	अहम्
9.	मेरा	मम्

8. वाक्यानि परस्परं योजयन्तु।

(क) अहं शिक्षक: अस्मि।
आवाम् शिक्षकौ स्व:।
वयं शिक्षका: स्थ:।

(ख) त्वं छात्र: असि।
युवां छात्रौ स्थ:।
यूयं छात्रा: स्थ:।

(ग) अहं गायक: अस्मि।
आवाम् गायकौ स्व:।
वयं गायका: स्थ:।

(घ) त्वं बालिका असि।
युवां बालिके स्थ:।
यूयं बालिका: स्थ:।

(ङ) अहम् आरक्षक: अस्मि।
आवां आरक्षकौ स्व:।
वयं आरक्षका स्थ:।

(च) त्वम् गृहिणी असि।
युवां गृहिण्यौ स्य:।
यूयं गृहिण्य: स्थ:।

(छ) अहं नर्तकी अस्मि।
आवां नर्तक्यो स्व:।
वयं नर्तक्य: स्थ:।

(ज) अहं तन्त्रज्ञ अस्मि।
आवां तन्त्रज्ञौ स्व:।
वयं तन्त्रज्ञा: स्थ:।

(झ) त्वं चिकित्सक: असि।
युवा चिकित्सकौ स्थ:।
यूयं चिकित्सका: स्थ:।

(ञ) त्वम् सैनिक: असि।
युवां सैनिकौ स्थ:।
यूयं सैनिका: स्थ:।

9. अधोलिखितेषु वाक्येषु पट्टिकातः उचितै पदै रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

1. मम नाम भरत:। अहं **छात्र:**।
2. मम नाम **गणेश:**। अहं शिक्षक:।
3. मम **नाम** गौतम:। अहं **चिकित्सक**।
4. **मम** नाम **राघव:**। **अहं** कृषक:।
5. मम **नाम** मेनका। अहं **छात्रा**।
6. **मम** नाम प्रियंवदा। अहं **शिक्षिका**।
7. मम नाम **सुमित्रा**। अहं **चिकित्सका**।
8. मम नाम राधिका। अहं **सैनिकी**।

10. अस्मद् – युष्मद् शब्दयोः सर्वाणि रूपाणि स्फोरकपत्रे लिखन्तु।

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वितीया	माम्	आवाम्	अस्मान्
तृतीया	मया	आवाभ्याम्	अस्माभि:
चतुर्थी	मह्यम्	आवाभ्याम्	अस्मयम्
पञ्चमी	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
षष्ठी	मम्	आवयो:	अस्माकम्
सप्तमी	मार्य	आवयो:	अस्मासु

युष्मद – शब्द रूपाणि।

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीया	त्वाम्	युवाम्	युवमान्
तृतीया	त्वाय	युवाभ्याम्	युस्माभि:
चतुर्थी	तुभ्यं	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम्
पञ्चमी	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी	तव	युवयो:	युष्माकम्
सप्तमी	त्वयि	युवयो:	युष्माकम्

4. अहं प्रातः उत्तिष्ठामि

1. अधोलिखितेषु वाक्येषु पट्टिकातः उचितैः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

(क) अहं **प्रतिदिन प्रातः** पञ्चवादने (५:००) उत्तिष्ठामि।
(ख) अहं सपाद-पञ्चवादने (५:१४) **शौचं** करोमि।
(ग) प्रथमं **भूमे** वन्दनं करोमि।
(घ) तदन्तरम् मुख प्रक्षालनं **दन्तधावनं** च करोमि।
(ङ) ततः उषः **पानं** करोमि।
(च) यत्र कषोष्णं **जलं** पिबामि।
(छ) अहं **सार्थ-पञ्चवादने** (५:३०) सूर्यं-नमस्कारं योगासनं च करोमि।
(ज) अहं षड्वादने (६:००) स्वाध्यायं **करोमि**।

2. एकतः दशपर्यन्तं संख्यां संस्कृतेन लिखतु।

एकम्, द्वे, त्रीणि, चत्वारि, पञ्च, षट्, सप्त, अष्ट, नव, दश।

3. संस्कृतेन लिखितानि मण्डलानि लिखितानि संख्यानि।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ८ १०
एकम्, द्वे, त्रीणि, चत्वारि, पञ्च, षट्, सप्त, अष्ट, नव, दश।

4. वाक्येषु शिष्टचारपदं योजयन्तु।

(क) परस्परं छात्रेषु **मैत्रीभावः** भवतु।
(ख) वयं सर्वे अतिथीनां **सेवां-सत्कारं** कुर्मः।
(ग) सः दुर्बलानां **साहाय्यं** करोति।
(घ) सर्वे छात्राः पाठशालायाः **नियमपालनं** कुर्वन्तु।
(ङ) सर्वेषु मानवेषु **दयाभावः** भवतु।

5. स्वस्य स्वस्थं दिनचर्याम् सरल शब्देषु संस्कृतेन खिलत।

(क) अहं प्रातः षड्वादने उत्तिष्ठामि।
(ख) प्रथमं भूमेः वन्दनं करोमि।
(ग) माता पितरौ च नमामि।
(घ) उषः पानं करोमि।
(ङ) अहं सार्ध षड्वादने शौंच करोमि।
(च) मुखप्रक्षालनं दन्तधावनं च करोमि।

6. अधोलिखितेषु समयम् अक्षरेः लिखन्तु।

(क) ६:०० षड्वादने
(ख) १२:०० द्वादशवादने
(ग) १:०० एकम्वादने
(घ) १:३० सार्ध-एकम वादने
(ङ) ४:३० सार्ध-चत्वारि वादने

7. चित्रं दृष्टवां समयंभिः अक्षरैः लिखन्तु।

(क) सार्ध-द्वादश वादनम्।
(ख) पादोन द्वादश।
(ग) सप्त-वादनम्।
(घ) सपाद-अष्टवादनम्।
(ङ) सार्ध-सप्तवादनम्।

8. अधोलिखितेषु शब्दस्य मातृभाषाया अर्थं लिखन्तु।

	संस्कृत	हिन्दी
(क)	वदामि	**बोल रहा/रही हूँ।**
(ख)	प्रतिदिनम्	**हर दिन।**
(ग)	तदन्तरम्	**उसके पश्चात्।**
(घ)	स्नानम्	**नहाना।**
(ङ)	गच्छामि	**जाता/जाती हूँ।**
(च)	इदानीम्	**अभी।**
(छ)	दन्तधावनम्	**दाँतों का मञ्जन।**
(ज)	उषः पानम्	**सुबह गुनगुना जल पीना।**

9. अधोलिखितेषु शब्दस्य संस्कृते लिखन्तु।

(क) दिनचयम्। (ख) उत्तिष्ठामि।
(ग) श्लोकान्। (घ) स्वाध्यायम्।
(ङ) विद्यालयम्। (च) वन्दनम्।
(छ) योगासनम्। (ज) भूमेः।

10. अधोलिखिवाक्येभ्यः प्रश्नं निर्माणं कुर्वन्तु।

(क) अहं कदा सूर्य-नमस्कारंकरोमि?
(ख) सः कदा विद्यालयं गच्छति?
(ग) सा कदा अध्ययनं करोति?
(घ) हरीशः कदा आगच्छति?
(ङ) सीता कार्यालयं कदा गच्छति?

11. पट्टिकातः शिष्टाचारस्य पदानि चित्वा लिखन्तु।

(क) गुरुवन्दनम्। (ख) ज्येष्ठेषु आदरः।
(ग) वृद्धसेवा। (घ) सर्वेषु मैत्रीभावः।
(ङ) अतिथि सत्कारः। (च) प्राणिषु दया।
(छ) प्रियवचनम्। (ज) पितृ भक्तिः।

12. प्रातः स्मरणम् एतत् श्लोकं रिक्तस्थानि सम्पूर्णं कुरुत।

करोग्रे **वस्ते** लक्ष्मीः **करमध्ये** सरस्वती।
करमूले तु गोविन्दः **प्रभाते** करदर्शनम्।

13. उदाहरणानुगुणं समयं संख्याभिः लिखन्तु।

1. पञ्च-वादनम् — ५:००
2. सपाद-षडवादनम् — ६:१५
3. सार्ध-षडवादनम् — ६:३०
4. सार्ध-वादनम् — ७:००
5. सार्ध-पञ्चवादनम् — ५:३०
6. सपाद-सप्तवादनम् — ७:१५
7. अष्ट-वादनम् — ८:००
8. पादोन-सप्तवादनम् — ७:४५
9. सार्ध-अष्टवादनम् — ८:३०
10. पादोन-नववादनम् — ८:४५

5. शूराः वयं धीराः वयम्

1. अधोलिखित शब्दस्य संस्कृतभाषायां लिखन्तु।

(क)	पराक्रमी	**शूराः**
(ख)	तेजस्वी	**वर्चस्वलाः**
(ग)	निश्चित	**नियतम्**
(घ)	लालच रहित	**गतलालसाः**
(ङ)	अत्यधिक रूप से	**नितराम्**
(च)	दृढ़ मन वाले	**दृढमानसाः**
(छ)	साहसी	**प्रियसाहसाः**
(ज)	फुर्तीले	**ऊर्जस्वलाः**

2. अधोलिखित शब्दस्य मातृभाषायां अर्थं लिखन्तु।

(क)	समग्रा:	**सम्पूर्ण**
(ख)	गच्छाम:	**जाते/जाती हैं**
(ग)	भीतिरहिता:	**भयरहित**
(घ)	विजयम् इच्छन्त:	**विजय चाहने वाले**
(ङ)	अस्मान्	**हमें**
(च)	यच्छ	**दीजिए**
(छ)	युद्धक्षेत्रम्	**युद्ध का मैदान**
(ज)	शक्तियुक्ता:	**शक्तिमान्**

3. अधोलिखितगीतस्य भावार्थः लिखन्तु।

अर्थ—हम बहादुर है, हम दृढ़ हैं, हम बहादुर हैं, हम बेहतर हैं। वे सदाचारी और बलवान थे और सदैव विजय के लिए अग्रसर रहे।

4. अथः विद्यमाने कोष्ठके प्रतिपदिकस्य प्रथमा – विभक्तेः रूपाणि लिखन्तु।

(क) एतद्

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
पुंलिङगम्	एष:	**एतौ**	एते
स्त्रीलिङगम्	**एषा**	एते	**एताः**
नपुसंकलिङगम्	एतत्	एते	**एतानि**

(ख) तद्

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
पुंलिङगम्	**सः**	तौ	ते
स्त्रीलिङगम्	सा	**ते**	ता:
नपुसंकलिङगम्	तत्	ते	**तानि**

(ग) अस्मद्

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
त्रिषु लिंङगम्	अहम्	**आवाम्**	वयम्

(घ) युष्मद्

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
त्रिषु लिंङगम्	**त्वम्**	युवाम्	**यूयम्**

5. पाठस्य आधारेण प्रश्नानाम् उत्तराणि एक-पदेन लिखन्तु।

(क) वयं सर्वे भारतवासिन: उत्तमभावेन जनानां सेवां सर्वेषां शुभचिन्तनं च कुर्म:।

(ख) वयं सर्वे भारतीया: धीरा: स्म:।

(ग) अस्माकं हृदये धनस्य अधिक कामना: सुखस्य विषये वासना कपटभावना च न सन्ति।

(घ) वयं सर्वदा नीतिपूर्वकं विजयम् इच्छाम:।

(ङ) वयं युद्धक्षेत्रे सर्वदा अतिनिश्चला: स्म:।

6. 'क' स्तम्भेन सह 'ख' स्तम्भस्य उचितं मेलनं कृत्वा रिक्तस्थाने लिखन्तु।

(क) गतभीतयो धृतनीतयो दृढ़ शक्तयो निखिला

(ख) शूरा वयं, वयं वीरा, वयं सुतराम

(ग) धन कामना सुख कामना न च वञ्चना हृदये

(घ) गतमीतयो धृतनीतयो दृढ़ शक्तयो निखिला

(ङ) जगदीश हे! परमेश हे! सकलेश हे भगवन्

7. कोष्ठकात् उचितं पदं स्वीकृत्य रिक्तस्थाने लिखन्तु।

(क) एता: (अहम्, एतत्, एता:)

(ख) अहम् (अहम्, त्वम, वयम्)

(ग) यूयम् (त्वम्, यूयम्, स:)

(घ) एतत् (एतानि, वयम्, एतत्)

(ङ) तौ (एव:, सा, तौ)

8. अधोलिखितानां पदानां वचन परिवर्तनं कुर्वन्तु।

	एकवचनम्		**बहुवचनम्**
(क)	शूर:	—	शूरा:
(ख)	निखिल:	—	निखिला:
(ग)	बाल:	—	बाला:
(घ)	अहम्	—	वयम्
(ङ)	सा	—	ता:
(च)	त्वम्	—	यूयम्
(छ)	जनसेवक:	—	जनसेवका:
(ज)	वीर:	—	वीरा:

9. अधोलिखितानां पदानि परस्परं संयोज्य वाक्यानि रचयन्तु।

(क) अहम् पठामि।

(ख) वयम् पठाम:।

(ग) आवाम् पठाव:।

(घ) छात्र: पठति:।

(ङ) छात्रौ पठथ:।

(च) त्वम् पठसि:।

(छ) छात्रा: पठन्ति।
(ज) युवाम् पठथ:।
(झ) यूयम् पठाम:।

10. उचितेन पदेन रिक्तस्थानं पूरयन्तु।

(क) शूर: **लिखति**।
(ख) छात्रा **क्रीडन्ति**।
(ग) वयम् **गच्छन्ति**।
(घ) महिला: **पश्यन्ति**।
(ङ) फलम् **पतति**।

(च) जनसेवकौ **आगच्छताम्**।
(छ) शुभचिन्तका: **उपविशन्ति**।
(ज) बाल: **वदति**।

11. अधोलिखित श्लोकस्य हिन्दी भाषायाः भावार्थः लिखन्तु।

(क) हे जगदीश! हे परमेश्वर! हे भगवान सब कुछ हो
हे परमात्मा हमें विजय, शुभता और परम तेज प्रदान करें।
(ख) धन की इच्छा, सुख की इच्छा है, हृदय में धोखे नहीं।
ऊर्जावान, प्रतिभाशाली, जीत में स्थिरता प्राप्त हो।

6. सः एव महान् चित्रकारः

1. पाठस्य आधारेण प्रश्नानाम् उत्तराणि एक पदेन लिखन्तु।

(क) विविधानि पुष्पाणि।
(ख) अमृत-उद्यानम्।
(ग) राष्ट्रपतिभवने।
(घ) हरित वर्णेन।
(ङ) हरित:।
(च) परमेश्वर:।
(छ) चित्रवर्णा: शुक:।
(ज) श्वेत:।

2. पाठस्य आधारेण प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखन्तु।

(क) सर्वत्र विविधानि पुष्पाणि, हरितानि पर्णानि, खगा: जन्तव: च सन्ति इति पश्याम:।
(ख) तत्र वृक्षस्य उपरि हरितवर्णेन शुक: अस्ति।
(ग) तादृशान् शुकान् प्राय: जन्तुशालायां पश्याम:।
(घ) पाटलपुष्पाणि पीत, श्वेत, नील लोहित, केसर वर्णानि च शोभते।
(ङ) काक: एवं पिकस्य वर्ण: कृष्ण:।
(च) आचार्यस्य प्रावारकस्य वर्ण: श्वेतम्।
(छ) इन्द्रधनु: बहुवर्णमयम् इति मञ्जुलस्थ अभिप्राय:।
(ज) चित्रवर्ण शुक: नीला: पीता: रक्ता: च भवन्ति।

3. उचित वर्णेन सह शब्दं योजन्तु।

(क) रक्त वर्ण: (ख) नील वर्ण:
(ग) कृष्ण वर्ण: (घ) हरित वर्ण:
(ङ) पीत वर्ण: (च) श्वेत वर्ण:
(छ) पाटल वर्ण: (ज) नील लोहित

4. मातृभाषाया अर्थं लिखन्तु।

	संस्कृत	मातृभाषा
(क)	पत्राणि	**पत्ते**
(ख)	पक्षिण:	**पक्षी**
(ग)	हरितवर्णानि	**हरे रंग के**
(घ)	प्राणिन:	**प्राणी**
(ङ)	वर्णयुक्त:	**रंगीन**
(च)	कीर:	**तोता**
(छ)	प्रियवर्ण:	**इष्ट रंग**
(ज)	वायस:	**कौआ**

5. संस्कृतभाषाया अर्थं लिखन्तु।

	हिन्दी	संस्कृत
(क)	तोता	**कीरः**
(ख)	कौआ	**वायसः**
(ग)	गुड़हल	**जपापुष्पम्**
(घ)	लाल	**रक्तवर्णः**
(ङ)	चिड़ियाघर	**जन्तुशाला**
(च)	गुलाब	**पाटलपुष्पम्**
(छ)	खरगोश	**शशकः**
(ज)	कोट	**प्रावारः**
(झ)	रंगीन	**वर्णयुक्तः**

6. राष्ट्रध्वजस्य समुचितैः वर्णैः अधः प्रदत्तेषु वाक्येषु रिक्तस्थानि पूरयन्तु।

(क) राष्ट्रध्वजस्य केन्द्रे **नीलवर्णः** वर्ण: अस्ति।
(ख) राष्ट्रध्वजस्य उपरि **केसरवर्णः** वर्ण: अस्ति।
(ग) राष्ट्रध्वजस्य मध्ये **श्वेतवर्णः** वर्ण: अस्ति।
(घ) राष्ट्रध्वजस्य अध: **हरितवर्णः** वर्ण: अस्ति।

7. रेखाचित्रेषु निर्दिष्टान् जन्तवः वर्णः लिखन्तु।

(क) हरित:।
(ख) श्वेत:।
(ग) कृष्ण:।

(घ) श्वेत:।

(ङ) कृष्ण:।

8. अधोलिखितचित्राणां नामानि वर्णाः च के इति अभिजानन्तु लिखन्तु च।

(क) पाटलवर्ण: पाटलपुष्प:।

(ख) कृष्णवर्ण: वायस:।

(ग) हरितवर्ण: शुक:।

(घ) रक्तवर्ण: जपापुष्पम्।

(ङ) श्वेतवर्ण: हंस:।

(च) कृष्णवर्ण: कोयल:।

9. एतत् पंक्तिम् अर्थं लिखन्तु।

संस्कृत–उद्यानस्य चित्रम् उपरि प्रदर्शितम्।

अर्थ–बगीचे का चित्र ऊपर दिखाया गया है।

संस्कृत–एतत् राष्ट्रपतिभवनस्य परिसरे विद्यमान अमृत–उद्यानम् अस्ति।

अर्थ–यह राष्ट्रपति भवन में विद्यमान अमृत उद्यान है।

संस्कृत–अत्र शताधिक-प्रकारकानि पाटलपुष्पाणि सन्ति।

अर्थ–यहाँ गुलाब के सौ प्रकार के पुष्प है।

संस्कृत–सामान्यत: पञ्चसहस्राधिकानि ऋतु पुष्पाणि च सन्ति।

अर्थ–सामान्यत: पाँच हजार से भी अधिक यहाँ मौसमी फूल हैं।

संस्कृत–रमणीय: निसर्ग: विविधै: सर्वेषां चित्तम् आकर्षति।

अर्थ–सुन्दर प्रकृति विभिन्न प्रकार से हर किसी का ध्यान आकर्षित करती है।

संस्कृत–तादृशानां वर्णानां परिचयम् अस्मिन् पाठे प्राप्नुम:।

अर्थ–इस पाठ में हमें ऐसे वर्णों का परिचय मिलेगा।

7. अतिथिदेवो भव

1. उदाहरणानुसारं कः कुत्र अस्ति? कुत्र नास्ति? इति लिखन्तु।

(क) मधुरता लड्डुके अस्ति। कषाये नास्ति।

(ख) वानर: नद्याम् नास्ति। वृक्षे अस्ति।

(ग) नौका पर्वते नास्ति। जले अस्ति।

(घ) अज्ञानम् पण्डिते नास्ति। मुर्खे अस्ति।

(ङ) चन्द्र पूर्णिमायाम् अस्ति। अमावस्यायाम् नास्ति।

(च) छात्र: विद्यालये अस्ति। आकासे नास्ति।

(छ) मत्स्य: वृक्षे नास्ति। समुद्रे अस्ति।

(ज) उष्णता चन्द्रे नास्ति। सूर्य अस्ति।

2. अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः अव्ययपदानि चित्वा लिखन्तु।

(क) राम: विद्यालयात् बहि: गच्छति **बहिः**।

(ख) तत्र एक: काक: अस्ति। **तत्र**।

(ग) एकं शुक: वृक्षस्थ उपरि तिष्ठति। **उपरि**।

(घ) स: फलानि अध:क्षिपति। **अद्यः**।

(ङ) विडाल: गृहस्य बहि: प्रविशति **बहिः**।

3. भोजनशालायां किं किं अस्ति? इति पञ्चभिः वाक्यैः लिखन्तु।

(क) पाचक:।

(ख) पात्रम्।

(ग) ताडुला:।

(घ) शाकानि।।

(ङ) जलम्।।

4. उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु।

(क) प्रकाश: कुत्र अस्ति?	प्रकाश: सर्वत्र अस्ति।
(ख) परमेश्वर: कुत्र अस्ति?	परमेश्वर: सर्वत्र अस्ति।
(ग) ज्ञानम् कुत्र अस्ति?	ज्ञानम् सर्वत्र अस्ति।
(घ) आकाश: कुत्र अस्ति?	आकाश: सर्वत्र अस्ति।
(ङ) वायु कुत्र अस्ति?	वायु सर्वत्र अस्ति।
(क) बालक: कुत्र अस्ति?	बालक: एकत्र अस्ति।
(ख) मयूर: कुत्र अस्ति?	मयूर: एकत्र अस्ति।
(ग) मित्रम् कुत्र अस्ति?	मित्रम् एकत्र अस्ति।
(घ) महिला कुत्र अस्ति?	महिला एकत्र अस्ति।
(ङ) पुत्र: कुत्र अस्ति?	पुत्र: एकत्र अस्ति।
(क) काक: कुत्र अस्ति?	काक: अत्र अस्ति।
(ख) दीपक: कुत्र अस्ति?	दीपक: अत्र अस्ति।
(ग) घट: कुत्र अस्ति?	घट: अत्र अस्ति।
(घ) शिक्षक: कुत्र अस्ति?	शिक्षक: अत्र अस्ति।
(ङ) सुधाखण्ड: कुत्र अस्ति?	सुधाखण्ड: अत्र अस्ति।
(क) सेवक: कुत्र अस्ति?	सेवक: तत्र अस्ति।
(ख) गृहम् कुत्र अस्ति?	गृहम् तत्र अस्ति।
(ग) मूषक: कुत्र अस्ति?	मूषक तत्र अस्ति।
(घ) अज: कुत्र अस्ति?	अज: तत्र अस्ति।
(ङ) फलम् कुत्र अस्ति?	फलम् तत्र अस्ति।

5. पाठस्य आधारेण अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एक पदेन लिखन्तु।

(क) शबल:

(ख) विशिष्टा:

(ग) मन्दं मन्दं

(घ) राधिका दृष्ट्वा।

(ङ) क्षीरं।

(च) चत्वार:।

6. छद्याः उपरि किम् अस्ति? किं नास्ति? इति चित्रं दृष्टवा लिखन्तु।

1. छद्या: उपरि घटी नास्ति।
2. छद्या: उपरि लेखनी अस्ति।

3. छद्या: उपरि चवक नास्ति।
4. छद्या: उपरि कूपी नास्ति।
5. छद्या: उपरि स्यूत नास्ति।
6. छद्या: उपरि कन्दुक: अस्ति।
7. छद्या: उपरि फलम् अस्ति।
8. छद्या: उपरि मयूर: अस्ति।

7. मातृभाषाय अर्थं लिखन्तु।

(क) धीरे-धीरे
(ख) पीछे-पीछे
(ग) कूदती हुई
(घ) नये
(ङ) मिलकर
(च) दिन-रात
(छ) छत के ऊपर
(ज) बिल्ली के बच्चे
(झ) गतिविधियों को

8. संस्कृतं लिखन्तु।

(क) शनै: शनै:
(ख) वारं वारम्
(ग) आदिनम्
(घ) किमधर्म्
(ङ) स्थापयन्ती
(च) दृष्ट्वा
(छ) एतादृशा:
(ज) छद्या: उपरि

9. अधोलिखितानां वाक्यानां प्रश्न-सूचक-वाक्यानि लिखन्तु।

(क) माता अत्र अस्ति। **माता कुत्र अस्ति?**
(ख) लेखनी अत्र अस्ति। **लेखनी कुत्र अस्ति?**
(ग) परमेश्वर: सर्वत्र अस्ति। **परमेश्वरः कुत्र अस्ति?**
(घ) मार्जारी तत्र अस्ति। **मार्जारी कुत्र अस्ति?**
(ङ) बालका: एकत्र तिकन्ति। **बालकाः कुत्र अस्ति?**
(च) देवालय: अन्यत्र अस्ति। **देवालयः कुत्र अस्ति?**
(छ) पितामही अत्र अस्ति। **पितामही कुत्र अस्ति?**
(ज) लेखनी उत्पीठिकायां अस्ति। **लेखनी कुत्र अस्ति?**

10. पाठस्थ आधारेण अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखन्तु।

(क) मातामही राधिकां वदति—'अतिथिदेवो भव'।
(ख) मार्जार्या: शावका: अतीव कोमला सन्ति।
(ग) मार्जारी शावकानां नामानि—तन्वी, मृद्वी, शबल:, भीम च इति।
(घ) मार्जारी राधिकाया: पृष्ठत: मन्दं मन्दं आगच्छति।
(ङ) राधिका मार्जारी शावकान् पाठयति—'अतिथिदेवो भव'।
(च) मार्जारी चत्वार: शावका: विशिष्टा: अतिथय:।

8. बुद्धिः सर्वार्थसाधिका

1. पूर्णवाक्येन उत्तराणि लिखन्तु?

(क) शशकानां सभा सायङ्काले भवति।
(ख) शशका: स्वरक्षार्थं च ते उपायं चिन्तयति।
(ग) यदा शशका: जीवन्ति तदा चन्द्र: प्रसन्न: भवति।
(घ) गजराज: पृच्छति—"कथम् अहं विश्वासं करोमि"।
(ङ) गजराज: शशकराजेन सह सरोवरस्य समीपं गच्छति।
(च) स: जले चन्द्रस्थ प्रतिबिम्बं पश्यति।

2. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

(क) महान् सरोवर:। (ख) उपायं।
(ग) गजा:। (घ) गजराजस्य।
(ङ) चन्द्र:। (च) सरोवरस्य समीपं।

3. निम्नलिखितानां पदानांवचनं पुरुषं च लिखन्तु।

पदम्	पुरुष	वचनम्
पठन्ति	**प्रथम, पुरुष**	**बहुवचनम्**
अस्ति	**प्रथम, पुरुष**	**एकवचनम्**
कथयत	**प्रथम, पुरुष**	**द्विवचनम्**
नमति	**प्रथम, पुरुष**	**एकवचनम्**
गच्छति	**प्रथम, पुरुष**	**एकवचनम्**
तिष्ठन्ति	**प्रथम, पुरुष**	**बहुवचनम्**

4. पाठस्य आधारेण पट्टिकातः क्रियापदानि चित्वा वाक्यानि पूरयन्तु।

(क) अहमेव उपायं **चिन्तयामि**।
(ख) यदा शशका: **जीवन्ति**।
(ग) स: जले चन्द्रस्थ प्रतिबिम्बं **पश्यतिः**, चकित च **भवति**।
(घ) गजयूथेन सह अन्यत्र **गच्छति**।
(ङ) यूथाधिपस्थ गजराजस्थ समीपं **तिष्ठति**।

5. अधोलिखितानां पर्यायपदानां मेलनं कृत्वा रिक्तस्थानि पूरयन्तु।

(क) सरोवर: जलाशय:
(ख) शशक: शश:
(ग) मृता: हता:
(घ) भीता: संत्रस्ता:

(ङ) प्रतिबिम्बम् छायाम्
(च) नाम्ना नामधेयेन
(छ) शशाङ्क शश:

6. चित्रस्थ आधोरण पञ्चं वाक्यानि लिखन्तु।

(क) मम विद्यालय भव्य विद्यालय: अस्ति।
(ख) मम विद्यालय बहव: छात्रा सन्ति।
(ग) मम विद्यालय अस्य अध्यापक: बहुज्ञ: व्यवहार कुशल: व्यवहार:।
(घ) मम विद्यालय भव्य विद्यालय: अस्ति।
(ङ) मम विद्यालय: प्रतिदिनम दशवादनकाले लगयन्ति।

7. मातृभाषया अर्थं लिखन्तु।

शब्दः	**हिन्दी अर्थ**
गज:	हाथी
शशक:	खरगोश
सरोवर:	तालाब
मृता:	मरे हुए
भीता:	डरे हुए
चिन्तामग्न:	चिन्तित

8. संस्कृतभाषया अर्थं लिखन्तु।

	शब्दः (हिन्दी)	**अर्थः (संस्कृत)**
(क)	खरगोश	शशक:
(ख)	तालाब	सरोवर:
(ग)	खुश	प्रसन्न:
(घ)	दिन	दिवस
(ङ)	रात	रात्रि
(च)	छाया	प्रतिविम्बम्
(छ)	डरे हुए	भीता:

9. उदारणानुसारं समुचितैः क्रियापदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

धातुः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
यथा—नम्	नमति	**नमतः**	**नमन्ति**
गम्	**गच्छति**	गच्छत:	**गच्छन्ति**
पठ्	पठति	**पठतः**	**पठन्ति**
स्था	**तिष्ठति**	**तिष्ठत**	तिष्ठन्ति
कृ	करोमि	**कुर्वः**	**कुर्मः**
चल्	**चलामि**	चलाव:	**चलामः**
जीव्	जीवति	**जीवतः**	**जीवन्ति**

10. अधोलिखितानां पंक्तिं अर्थं लिखन्तु।

(क) दुनिया में अच्छे जीवन के लिए बुद्धिमान व्यवहार की आवश्यकता होती है।
(ख) बुद्धिमान व्यवहार से कठिन कार्य भी आराम से हो जाते हैं।
(ग) एक जंगल में निरन्तर पानी से भरी एक बड़ी झील है?
(घ) भेड़ों से कई खरगोश रहते हैं।
(ङ) कुछ लोग दोबारा भी मर जाते हैं?
(च) क्या उन्हें दु:ख होता है?

11. पाठस्य आधारेण पट्टिकातः पदानिं चित्वा वाक्यानि पूरयन्तु।

(क) सर्वे **शशकाः** उपायं चिन्तयति।
(ख) सायंकाले शशकानां **सभा** भवनि।
(ग) **शशकाः** सरोवरस्य तीरे निवसन्ति।
(घ) किं **चन्द्रः** सरोवरे तिष्ठति।
(ङ) स: **गजराजं** कथयति।

9. यो जानाति सः पण्डितः

1. पाठस्थ आधारेण निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखन्तु।

(क) नयनं आदि: अन्तश्च न अस्ति।
(ख) विष्णुपदं दुर्लभं प्रोक्तम्।
(ग) कुलालस्य गृहे अर्धं कुम्भ: अस्ति।
(घ) नर: काश्यां मृत्यु: इच्छति।
(ङ) युद्धे महाराजानां जय: हित:।
(च) भोजनस्य अन्ते तक्रं पानीयम्?

2. पाठस्थ आधारेण निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् एकपदेन उत्तरं लिखन्तु।

(क) शुक्रस्य।
(ख) पण्डित:
(ग) अनानस:
(घ) मृत्यु
(ङ) मृत्युञ्जय:
(च) कुम्भ:

3. निम्नलिखितानां शब्देषु मातृभापन अर्थं लिखन्तु।

शब्द	**अर्थ (हिन्दी)**
पेयम्	पीने के योग्य
रणे	युद्ध में
भोजनस्य	भोजन का

अन्ते	अन्त में
कस्य	किसका
सान्निध्यं	समीप में
अन्त:	अन्त में
अग्रे	आगे
वृक्षस्य	पेड़ का
अकार:	आकृति

3. निम्नलिखितानां शब्देषु संस्कृतं लिखन्तु।

शब्द	अर्थ (संस्कृत)
पुत्र	सुत:
छाछ	तक्रम
आधा	अर्धम्
कुम्हार का	कुलालस्य
युद्ध में	रणे
पीने के योग्य	पेयम्
आगे	अग्रे
समीप	समीपं
युद्ध में	रणे:
पीड़ितजनों के द्वारा	आर्तै:
देखते हैं।	पश्यन्ति
जानते हैं।	जानन्ति

5. अधोलिखितां श्लोकां रिक्त स्थानामि सम्पूर्णं कुरुत।

(क) भोजनान्ते च किं पेय **जयन्तः कस्य वै सुतः**।
कथं विष्णुपदं प्रोक्तं तक्रं शक्रस्य दुर्लभम्।।

(ख) **वृक्षस्याग्रे फलं दृष्टं** फलाग्रे वृक्ष एव च।
अकारादि सकारान्तं **यो जानाति स पण्डितः**।।

(ग) कुलालस्यं गृहे ह्यर्धं **तदर्धं हस्तिनापुरे**।
द्वयं मिलित्वा लङ्कायां यो जानाति स पण्डित:।।

6. अधोलिखित वाक्येषु पट्टिकातः उचितैः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

(क) वसिष्ठष्य पत्नी **अरून्धती**।
(ख) वसिष्ठस्थ शिष्य: **श्रीरामः**।
(ग) कर्णस्य गुरुः **परशुरामः**।
(घ) द्रोणस्थ शिष्य: **अर्जुनः**।
(ङ) रामकृष्णस्य शिष्य: **विवेकानन्दः**।
(च) वाल्मीके: काव्यं **रामायणम्**।
(छ) कर्णभारस्य रचयिता **भासः**।
(ज) अर्जुनस्य पत्नी **सुभद्रा** ।
(ञ) पाण्डुराजस्य पत्नी **कुन्ती**।

7. उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु।

(क) **द्विचक्रिकायाः चक्रम्** भ्रमति।
(ख) **मन्दिरस्थ शिखरं** पश्यति।
(ग) **रामस्य पुस्तकम्** आनयति।
(घ) **छात्रायाः नाम** पृच्छति।
(ङ) **वृक्षस्य फलम्** खादति।

8. तालिकामां प्रदत्तानां शब्दानां पष्ठी विभक्तेः रुपाणि रिक्तस्थाने लिखन्तु।

पुलिंङ्गम्		स्त्रीलिङ्गम्		नपुंसकलिङ्गम्	
अग्रज:	अग्रजस्य	पुस्तिका	पुस्तिकाया:	भवनम्	भवनस्य
अनुज:	अनुजस्य	उपासना	उपासनाया:	सूत्रम्	सूत्रस्य
पितामह:	पितामहस्य	लेखनी	लेखन्या:	वार्तापतम्	वातायनस्य
पितृव्य:	पितृव्यस्य	पुत्री	पुत्र्या:	गृहम्	गृहस्य
मातुल:	मातुलस्य	छात्रा	छात्राया:	पुष्पम्	पुष्पस्य
विद्यालय:	विद्यालयस्य	अग्रजा	अग्रजाया:	वातायनम्	वातायनस्य
प्राचार्य:	प्राचार्यस्य	पत्नी	पत्न्या:	पत्रम्	पत्रस्य
स्यूत:	स्यूतस्य	भातृजाया	भ्रातृजायाया:	वनम्	वनस्य

9. रिक्त स्थानेषु कुटुम्बस्थ परिचयं लिखन्तु।

छात्र स्वयं करेंगे।

10. निम्नलिखितानां पदानां चित्वा वाकयानि पूरयन्तु।

(क) राम: पिता **दशरथः**।
(ख) सीता स्नुषा **दशरथः**।
(ग) सीता पति: **रामः**।
(घ) राम: माता **कौशल्या**।
(ङ) राम: अनुज: **लक्ष्मणः**।
(च) सीता श्वश्रु: **कौशल्या**।
(छ) लक्ष्मण अग्रज: **रामः**।
(ज) लव: पिता **रामः**।
(झ) सीता पुत्र: **लवः**।
(ण) जनक: जामाता **रामः**।
( ) सीता माता **सुनयना**।
( ) सीता देवर: **लक्ष्मणः**।
( ) सीता पिता **जनकः**।
( ) लक्ष्मण: भ्रातृजाया **सीता**।
( ) लव: माता **सीता**।

10. त्वम् आपणं गच्छ

1. लोट्लकारस्य रूपाणि लिखन्तु।

(क) खादति **खादतु**।
(ख) पश्यसि **पश्यतु**।
(ग) गच्छामि **गच्छाम**।
(घ) नयसि **नय**।
(ङ) पठति **पठतु**।
(च) क्रीडामि **क्रीडाम**।
(छ) हसति **हसतु**।
(ज) नृत्यति **नृत्यतु**।

2. बहुवचनस्य रूपाणि लिखन्तु।

(क) खादतु **खादन्तु**।
(ख) खादति **खादन्ति**।
(ग) पठति **पठन्ति**।
(घ) नृत्यति **नृत्यन्ति** ।
(ङ) उत्तिष्ठतु **उत्तिष्ठन्तु**।
(च) गच्छतु **गच्छन्तु**।
(छ) पठतु **पठन्तु**।
(ज) हसति **हंसन्ति**।

3. पूर्वपृष्ठस्थ कोष्ठके दत्तानि रूपाणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

पठतु	पठताम्	**पठन्तु**
पठ	**पठतम्**	पठत
पठानि	पठाव	पठाम
लिखतु	लिखताम्	**लिखन्तु**
लिख	लिखतम्	लिखत
लिखानि	**लिखाव**	लिखाम्
खादतु	खादताम्	**खादन्ति**
खाद	खादतम्	खादत
खादानि	खादाव:	**खादाम**

4. मातृभाषया अर्थं लिखन्तु।

शब्द	**अर्थ (हिन्दी)**
प्रसेवम्	थैला
नामसूचि:	सूची
वस्तु-विक्रय-केन्द्रम्	दुकान को
आहर	लाओ
ग्रहाण	ले जाओ
चाक लेह:	चॉकलेट
वाहनानाम्	गाड़ियों को
गमनम्	चलना

5. संस्कृतभाषायां अर्थं लिखन्तु।

शब्द	**अर्थ (संस्कृत)**
नय	गृहाण
गतिम्	गमनम्
शर्करा	सिता
गुड:	इक्षुसार:
द्विदलम्	द्विदलम्
सर्षप:	सर्षप:
विपणिम्	आपण-वीयिम्
मुग्द:	धान्यविशेष: (मूँग)
अवशिष्टम्	शेषभाग:

6. विद्यालयस्य कार्यक्रमे के-के किं-किं कुर्वन्ति इति सूचनारूपेण वाकयानि पुनः लिखन्तु।

(क) नवमकक्षाया: छात्रा: वेदिकाम् अलंङ्कुर्वन्त।
(ख) त्वं आसनानि स्थापयसि।
(ग) छात्रनायय: त्वम् स्वागतं।
(घ) कार्यक्रमान्तरं छात्रा: उत्थाय राष्ट्रगीतं गायन्ति।
(ङ) अध्यापक: वार्षिकं विवरणं पवितत्यम्।
(च) अहम् नृत्यानि।
(छ) धन्यवाद: मम मित्रम्।
(ज) भाषाया-शिक्षिका वेदिकां सञ्चालयतु।

7. तेषां चित्राणि दृष्ट्वा पट्टिकाणदैः वाक्यानि रिक्तस्थानेषु लिखन्तु।

वामत: गच्छ,
प्रतीक्षस्व,
दक्षिणत:,
पदयात्रिका:,
तिष्ठ,
यानं मा स्थापय,
अग्रे विद्यालय,
गच्छ,

8. चिह्नानि (? ! ।,) भावानुसारं वाक्ये योजयन्तु।

(क) अत्र आगच्छ?
(ख) पुत्र किं करोषि?
(ग) राकेश् कुत्र असि?
(घ) भवान् तत्र तिष्ठतु।
(ङ) रमेश: कदा आगच्छति?

(च) अहो रमणीय स्थाना!

(छ) क: श्लोक: पठति?

(ज) त्वम् किम् करोषि?

9. निम्नलिखितां क्रियापदस्य लोट्-लकाररूपैः वाक्यानि पूरयन्तु।

(क) यूयं शीघ्र गृहम् **आगच्छन्तु**।

(ख) माता! वयम् कदा चलचित्रं **पश्याम**।

(ग) श्रीमान्! अहम् अन्त: **प्रविश्याम**।

(घ) त्वम् पृच्छाति अहं उत्तरं **ददानि**।

(ङ) अहम् पुस्तकं **पठानि**।

(च) मित्र! अहं क्रीडार्थं **गच्छानि**।

(छ) छात्रा प्रात: शीघ्रम् **उत्तिष्ठतु**।

(ज) वयं प्रार्थनागीतं **गायानि**।

10. चित्रस्य आधारेण पञ्च वाक्यानि लिखन्तु।

(क) अहं आपणं गच्छामि।

(ख) मार्गे यानानां गति पश्यतु। अनन्तरं सावधानं पारं गच्छतु।

(ग) अहं आपणिक: पृच्छामि? नीलवर्णा लेखनी अस्ति किम्?

(घ) एकं चाकलेहम् एकां लेखनीं च ददातु।

(ङ) तस्य मूल्यम् अपि योजयतु।

11. अधोलिखितां पंक्तिम् हिन्दी भाषायं लिखन्तु।

(क) आधा किलो मूँग की दाल।

(ख) एक किलो चीनी

(ग) एक किलो दाल

(घ) एक किलो गुड़

(ङ) पाव किलो सरसों।

12. परिच्छेदे पट्टिकातः उचितैः क्रियारूपैः रिक्त स्थानानि पूरयन्तु।

यदा प्रधानाध्यापक: कक्षाम् आगच्छति पद प्रथमं सर्वे **उत्तिण्ठन्तु**। उपचारवाक्येन तम् **अभिवादयन्तु**। यदा स: वदति तदा एव सर्वे **उपविशन्तु**। तस्थ सूचनानुसारं पाठं **पठन्तु**। गृहपाठं **लिखन्तु**। परस्परं वार्तालाप न **कुर्वन्तु**। प्रश्नस्थ उत्तरं **कुर्वन्तु**। संशयं **वदन्तु**। तस्य उपदेशम् **शुण्वन्तु**। बहि: मा **गच्छन्तु**।

13. अधोलिखितां श्लोकान् रिक्त स्थानानि सम्पूर्णं कुरुत।

(क) सर्वे **भवन्तु सुखिनः** सर्वे सन्तु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा **कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्**।।

(ख) इमा आप: **शिवाः सन्तु शुभाः** स्वच्छाश्च निर्मला:।
पावना: शीतला: सन्तु पूता: **सूर्यस्य रश्मिभः** ।।

11. पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि

1. अधोलिखितां श्लोकान् रिक्त स्थानानि सम्पूर्णं कुरुाल।

(क) पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि **जलमन्नं सुभाषितम्**।
मूढैः पाषाणखण्डेषु **रत्नसंज्ञा विधीयते**।

(ख) **अयं निजः परो वेति** गणाना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु **वसुधैव कुटुम्बकम्**।

(ग) अभिवादशीलस्य **नित्यं वृद्धोपसेविनः**।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयु र्विद्या यशोबलम्।

2. मातृभाषायां अर्थं लिखन्तु।

	शब्द	अर्थ (हिन्दी)
(क)	स्वकीय:	**अपना**
(ख)	धरित्री	**पृथ्वी**
(ग)	मूर्खजनै:	**मूर्खों के द्वारा**
(घ)	अन्य:जन:	**अन्य**
(ङ)	परिश्रमेण	**परिश्रम से**
(च)	वृद्धानां सेवकस्थ	**बुजुर्गों की सेवा करने वाला**
(छ)	सहायक:	**सहायता करने वाला**
(ज)	ज्येष्ठा	**बड़ी**
(ण)	अन्येषां हस्तेषु	**अन्यों के हाथ में**
(झ)	योग्यताम्	**योग्यता को**

3. संस्कृतभाषायां अर्थं लिखन्तु।

	शब्द	अर्थ (संस्कृत)
(क)	मूढै:	**मूर्खजनैः**
(ख)	निज:	**स्वकीयः**
(ग)	परहस्तेषु	**अन्येषां हस्तेषु**
(घ)	पात्रताम्	**योग्यताम्**
(ङ)	सहायकृत्	**सहायकः**
(च)	उद्यमेन	**परिश्रमेण**
(छ)	पर:	**अन्य जनः**
(ज)	वसुधा	**धरित्री**
(ण)	आप्नोति	**प्राप्तं करोति**
(झ)	गरीयसी	**ज्येष्ठा**

4. एकः स्मरन्तु श्कोकः लिखन्तु।

छात्र लिखेगें।

5. अधोलिखितां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

(क) विनयं ददाति।
(ख) जलमन्नं, सुभाषितम्।
(ग) स्वर्णमयी
(घ) अद्यमेन
(ङ) स्वर्गात्

6. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् एक वाक्येन उत्तराणि लिखन्तु।

(क) मनुष्य धनात् सुखं आप्नोति?
(ख) अभिवादनशीलस्य आयुर्विद्या यशो बलम्।
(ग) पृथिव्यां जलमन्नं सुभाषितम् त्रीणि रत्नानि सन्ति।
(घ) उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।
(ङ) मृगा: स्वमेव सुप्तस्य सिंहस्य मुखे न प्रविशन्ति।

7. चित्रं दृष्टवा वाक्यानि रचयन्तु।

(क) वृक्षात् पत्ता पतति।
(ख) इतम् पुस्तकम् अस्ति।
(ग) घट: जलात् आपूर्यति।
(घ) वृक्ष फलानि यच्छति।
(ङ) अहं फलम् खादामि।
(च) पुष्पम् विकसति।

8. पट्टिकातः पदानि चित्वा निर्देशानुसारं पदानि लिखन्तु।

(क) 1. विनय:, 2. धैर्यम्, 3. निज:, 4. मस्तिष्क:।
(ख) 1. बुद्धि, 2. शक्ति, 3. जननी, 4. विद्या।
(ग) 1. उद्यम, 2. धनम्, 3. पुस्तकम्, 4. पराक्रम।

9. पाठगतानि सुभाषितानि स्मृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

(क) विद्या **विनयम्** ददाति।
(ख) उद्यम: **साहसं धैर्य बुद्धिः शक्तिः** पराक्रम:।
(ग) जननी जन्मभूमिश्च **स्वर्गादपि** गरीयसी भवति।
(घ) पृथिव्यां त्रीठि रत्नानि **जलमन्नं** सुभाषितम्।
(ङ) अभिवादनशीलस्य वृद्धोपसेविन: **चत्वारि तस्य** वर्धन्ते।
(च) उदारचरितानां तु **वसुधैव** कुटुम्बकं भवति।

10. अधोलिखितानि वाक्यानि पठित्वा 'आम्' अथवा 'न' इति लिखन्तु।

(क) आम्
(ख) आम्
(ग) आम्
(घ) आम्
(ङ) आम्
(च) न
(छ) न

11. चित्रे दर्शितस्य नाम लिङ्गं च निर्दिशन्तु।

	नाम	लिङ्गम्
1.	जन:	पुल्लिग
2.	बालिका:	स्त्रीलिंग
3.	दाडिम:	नपुसंकलिंग
4.	वृक्षम्	नपुसंकलिंग
5.	अजा:	स्त्रीलिंग
6.	पुष्पम्	नपुसंकलिंग
7.	पुस्तकम्	स्त्रीलिंग

8. गज:	पुल्लिंग	12. शुक्र:	पुल्लिंग
9. चक्रम्	नपुसंकलिंग	13. शिक्षिका:	स्त्रीलिंग
10. पत्रम्	नपुसंकलिंग	14. मयूर:	पुल्लिंग
11. बालक:	पुल्लिंग	15. शिक्षक:	पुल्लिंग

12. यो जानाति सः पण्डितः

1. अधोलिखितेषु वाक्येषु द्वितीयाविभक्तिः रेखांकिता शब्दानां द्विवचने परिवर्तनं कृत्वा वाक्यानि लिखन्तु।

(क) रमेश: श्लोकों पठति।

(ख) हरीश: कन्दुकौ गृहाति।

(ग) आपणिक: अङ्कनींयाम् ददाति।

(घ) सैनिक: आवाम् रक्षति।

(ङ) पितामह कथे श्रावयति।

(च) अनुज: लेखान् लिखति।

2. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि 'आम्' अथवा 'न' इति पदेन लिखन्तु।

(क) न

(ख) आम्

(ग) न

(घ) न

(ङ) आम्

(च) आम्

3. द्वितीय विभक्तेः एकवचनशब्दानां बहुवचने परिवर्तनं कृत्वा वाक्यानि रचयन्तु।

(क) बालका: सुभाषितानि वदन्तु।

(ख) अर्जुन: दूराणि नयति।

(ग) अग्रजा लेखनी: आनयति।

(घ) पितामह: अस्मान् बोधयति।

(ङ) रमा पाका: पचाति।

(च) अनुज: त्वान् आह्वति।

4. कोष्ठके विद्यमानां शब्दानां द्वितीया विभक्तेः एकवचनरूपेण सह वाक्यानि लिखन्तु।

(क) अरुण: देवम् नमति।

(ख) छात्रा: पुस्तकम् पठन्ति।

(ग) कमला: चित्रम् रचयति।

(घ) बालका: कथाम् लिखन्ति।

(ङ) अध्यापक: माम् पाठयति।

(च) मातामही रजनीम् आह्वयति।

(छ) अहं त्वाम् नमस्करोमि।

(ज) रोहित: क्षेत्रं कर्षति।

(झ) शेखर: नदीम् पश्यति।

(ञ) पर्यटक: वाराणसीम् गच्छति।

5. अधः प्रदतं चित्रं दृष्ट्वा दश वाक्यानि रचयन्तु।

(क) अस्माकं जीवनेषु क्रीडाया: महान् प्रभाव: अस्ति।

(ख) सा जीवनस्य महत्वपूर्ण—भाग: एव।

(ग) मुख्यतया क्रीडा बाल्यकाले महत्वपूर्णा।

(घ) तस्मिन् समये सर्वेऽपि आनन्दायक क्रीडन्ति।

(ङ) एतस्य नैके अन्ये लाभा: अपि सन्ति।

(च) प्रथम तु बालकानां स्वास्थ्ये वृद्धि भवति।

(छ) ऊर्जा स्फूर्ति: च वर्धेते।

(ज) अन्यै: बालकै: सह क्रीडित्वा बालका: सम्मिलनं शिक्षन्ते।

(झ) क्रीडासु क्रीडका: भिन्नं भिन्नं क्रीडन्ति।

(ञ) बहुवारं, प्रौढ़ा: भूत्वा जना: क्रीडञ्ज त्यजन्ति।

6. अधोलिखितान् श्लोकान् स्मृत्वा रिक्त स्थानानि पूरयन्तु।

(क) **आलस्यं हि** मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु:।
नास्त्युघमसमो बन्धु कृत्वा **यं नावसीदति** ।।

(ख) विना वेदं विना गीतां **विना रामायणीं कथाम्**।
विना कविं कालिदासं **भारतं भारतं न हि**।।

7. स्वविद्यालय दिनचर्यायाः विषये दश वाक्यानि लिखन्तु।

(क) मम् विद्यालय: नाम: आदर्श सरस्वती निकेतन अस्ति।

(ख) मम् विद्यालय: अति विशालं अस्ति।

(ग) मम् विद्यालय: अति सुन्दरं अस्ति।

(घ) मम् विद्यालये: एक: सुन्दरं उद्यानम् सन्ति।

(ङ) मम् विद्यलाये एक पुस्तकालय अस्ति।

(च) मम् विद्यालये एक: प्रयोगशाला अस्ति।

(छ) मम् विद्यालये प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव भवति।

(ज) मम् विद्यालये अनेकानि वृक्षाणि सन्ति।

(झ) मम् विद्यालये अति स्वच्छ अस्ति।

(ञ) मम् विद्यालये अति श्रेष्ठम् अस्ति।

8. अधोलिखितानां प्रश्नान् एकपदेन उत्तराणि पच्छन्तु।

(क) भिक्षुक: धनिकात् प्रभूतं दानं याचितवान्।

(ख) भिक्षुक: भिक्षाटनं करोति स्म।

(ग) एकदा तेन मार्गेन कश्चित् धनिक: आगच्छति।

(घ) सौभाग्येन वयं मानव जन्म प्राप्तवन्त:।

(ङ) धनिक: भिक्षुक: भिक्षाटनं व्यकत्वा याचिंतवान्।

9. उदाहरणानुसारम् अधोलिखितानां पदानां द्वितीया विभक्तेः रुपाणि लिखन्तु।

युवाम्	**युवानम्, युवानौ, यूनः**
आवाम्	**माम्, आवाम्, अस्मान्**
भगिनि	**भगिनि, भगिन्यौ, भगिन्यः**
स:	**तम्, तौ, तान्**
अहम्	**माम्, आवाम्, अस्मान्**
यूयम्	**त्वाम्, युवाम्, युष्मान्**
द्रोणी	**द्रोणीम्, द्रोण्यौ, द्रोणीः**
त्वम्	**त्वाम्, युवाम्, युष्मान्**
सम्मार्जन्य:	**सम्माजर्न्यम्, सम्मजिन्यतौ, सम्मार्जन्यतान्**
वनानि	**वनम्, वने, वनानि**
हस्त:	**हस्तम्, हस्तौ, हस्तान्**
पेटिका:	**पेटिके, पेटिके, पेटिकाः**
पत्रिका:	**पत्रिके, पत्रिके, पत्रिकाः**
गोलदीपौ	**गोलदीपौ, गोलदीपे, गोलदीपे**
पादा:	**पादम्, पादौ, पादान्**
आसन्द:	**आसन्द, आसन्दौ, आसन्दाः**
पूजा	**पूजे, पूजे, पूजाः**

13. सङ्ख्यागणना ननु सरला

1. अधोलिखितानि सङ्ख्यानि संस्कृतेन लिखत।

१	**एकम्**	११	**एकादश**
२	**द्वे**	१२	**द्वादश**
३	**त्रीणि**	१३	**त्रयोदश**
४	**चत्वारि**	१४	**चतुर्दश**
५	**पञ्च**	१५	**पञ्चदश**
६	**षट्**	१६	**षोडश**
७	**सप्त**	१७	**सप्तदश**
८	**अष्ट**	१८	**अष्टादश**
९	**नव**	१९	**नवदश**
१०	**दश**	२०	**विंशति**

2. पाठगतानि संख्यागीतं स्मृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

(क) एक: सूर्य: **चन्द्रोऽप्येकः**।
मानव कुलमप्येकम्।
द्वे नयने ननु **जीविनि सकले**।

धनिकौ	**धनिक, धनिकौ, धनिकः**
कविते	**कविम्, कवी, कवीन्**
जननी	**जननीम्, जनन्यौ, जननीः**

10. अधोलिखितानां शब्दानां हिन्दी भाषाया अर्थं लिखन्तु।

(क) मुझे (ख) निर्बल
(ग) त्याग करके (घ) दु:खी नहीं होता है
(ङ) मजबूत शरीर वाला (च) भीख के लिए घूमना
(छ) ढेर सारा (ज) अस्वीकार किया
(झ) शरीर के अङ्ग (ञ) बहुत सारा

11. अधोलिखितानां हिन्दी शब्दाः संस्कृतभाषाया अर्थं लिखन्तु।

(क) अतीव (ख) अहम्
(ग) दुर्बलम् (घ) त्यक्त्वा
(ङ) दृढ़काय: (च) मह्यम्
(छ) प्रभूतम् (ज) शरीराङ्गानि
(झ) निराकृतवान् (ञ) भिक्षाटनम्

12. चित्रं दृष्ट्वा वाक्यांनि रचयन्तु।

अध्यापक: **पुस्तकम्** पाठयति।
सुधा: **नृत्यम्** करोति।
बालिका: **गृहम्** गच्छति।
पक्षिन: **फलानि** खादन्ति।
अहं **पुस्तकः** स्वीकरोमि।

प्रभवति **सर्वो द्रष्टुम्**।।
(ख) सप्त वासरा: **सप्ताहे ननु**।
स्वरा: सुमधुरा: **सप्ता**।
ऊर्ध्वमधस्तात् लोका: **सप्त**।
ख्याता ऋषयः सप्त।।

3. अधोलिखितानां संस्कृत शब्दाः मातृभाषया अर्थं लिखन्तु।

शब्द (संस्कृत)	अर्थः (हिन्दी)
जीवे	**प्राणी में**
दिवससप्तके	**सप्ताह के दिन**
कुर्वन्ति	**करते हैं**
गणनम्	**गिनती**
हस्तारविन्दे	**कमल जैसे हाथ में**
रक्षति	**रक्षा करता है**
कार्तिकेय:	**देवों के सेनापति**
सृष्टिकर्ता ब्रह्मा	**सृष्टिकर्ता ब्रह्मा**

4. अधोलिखितानां हिन्दी शब्दाः संस्कृतेन लिखन्तु।

शब्द (हिन्दी) **अर्थः (संस्कृत)**

ऋषय	**मनुयः**
उर्ध्वम्	**उपरि**
अध:	**निम्नभागे**
करतालम्	**करतलध्वनिः**
उपकृतिशीला:	**उपकार-स्वभावाः**
अतुलबला:	**अतुल्यशक्ति-सम्पन्नाः**
नियततया:	**नियमितरूपेण**
दिश:	**दिशाः**
अमितामोदं	**अत्यानन्दपूर्वकम्**
गणनाम्	**गणनम्**
पाति	**रक्षति**

5. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् एकपदेन उत्तराणि लिखन्तु।

(क) सूर्य: चन्द्र:श्च।
(ख) धरणीम्।
(ग) शंकर।
(घ) संख्यागणना
(ङ) सुरसेनानी

6. कोष्टके शब्दानां पुरतः उचितां संख्यां लिखन्तु।

(क) गगने **९** ग्रहा: सन्ति।
(ख) आकाशे **२** सूर्य: विमाति।
(ग) व्याकरणे **३** वचनानि सन्ति।
(घ) आकाशे **१** चन्द्र: शोभति।
(ङ) मम, हस्ते **५** अङ्गुलय: सन्धि।
(च) कार्तिकेयस्य **६** मुखानि सन्धि।

7. अधोलिखितानां वाक्यस्य 'सङ्ख्या' सङ् ख्यापदं च लिखन्तु।

	संख्या	संख्यापदं
(क)	**७**	**सप्त**
(ख)	**३२**	**द्वात्रिंशत्**
(ग)	**७**	**सप्त**
(घ)	**४**	**चत्वारि**
(ङ)	**१०**	**दश**
(च)	**१२**	**द्वादश**

8. अधः प्रदत्तेन पदेन सह सङ्ख्यां योजयन्तु।

	(अ)	(ब)
(क)	द्वे **२**	८ **अष्ट**
(ख)	षट् **६**	९ **नव**
(ग)	अष्ट ८	७ **सप्त**
(घ)	एकम् **१**	२ **द्वे**
(ङ)	सप्त **७**	१२ **द्वादश**
(च)	नव **९**	१ **एकम्**
(छ)	द्वादश **१२**	१५ **पञ्चदश**
(ज)	पञ्चदश **१५**	१८ **अष्टादश**
(झ)	सप्तदश **१७**	१२ **द्वादश**
(ञ)	अष्टादश **१८**	१७ **सप्तदश**

9. उपस्थिति पत्रं पश्यन्तु। संख्यां लिखनतु।

(क) एकम्
(ख) नव
(ग) पञ्च
(घ) त्रीणि
(ङ) सप्त
(च) अष्ट

10. चित्रं पश्यन्तु संख्याः, द्वितीयचित्रे संख्यापदम् लिखन्तु।

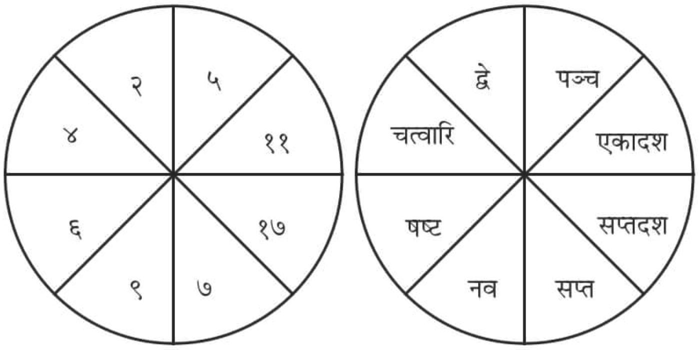

11. चित्रं पश्यन्तु संख्यापदं, द्वितीयचित्रे संख्या लिखन्तु।

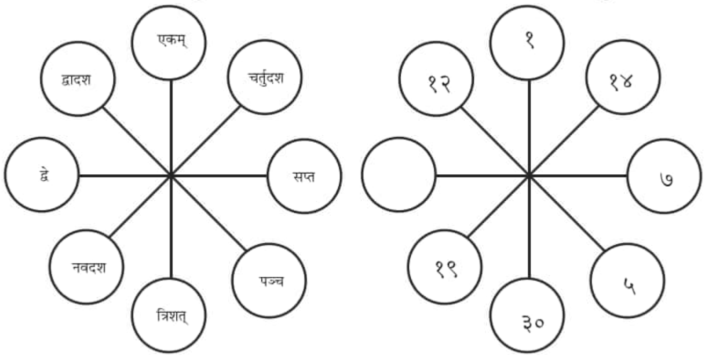

14. माधवस्य प्रियम् अङ्गम्

1. कोष्ठकात् समुचितं संख्या चित्वा रिक्तस्थानं पूरयन्तु।

(क) मम **बहवः** केशाः सन्ति।
(ख) मम **एकम्** शिरः अस्ति।
(ग) मम **द्वौ** पादौ स्तः।
(घ) मम् हस्तयोः **दश** अङगुल्यः सन्ति।
(ङ) मम् **एकम्** मुखम् अस्ति।
(च) मम् **एकम्** नासिक अस्ति।
(छ) मम् **द्वे** हस्तम् अस्ति।
(ज) मम् **द्वे** कर्ण अस्ति।

2. चित्रं दृष्ट्वा अङ्गस्थ नाम लिखन्तु।

(क) नासिक
(ख) नयनं
(ग) पादः
(घ) हस्तः
(ङ) कर्णः
(च) केशाः
(छ) अङगुल्य
(ज) उदरं

3. अधोलिखितानां मातृभाषया हिन्दी शब्दाः संस्कृतेन लिखत।

शक्तिं
स्वप्ने
उपकारकाणि
स्वशरीरस्य
बोधयति
अङगानि
विचारयति
दृष्टवान्
कोलाहलं
चर्चाम्
भवेत्
श्रेष्ठः

4. अधोलिखितानां संस्कृत शब्दाः मातृभाषया अर्थं लिखन्तु।

उसी समय
गृहकार्य
मेरे बिना
थोड़ा हँस के
समर्थ होता है
मार्ग में
सङ्गीत
सहायता से
प्राप्त करता हैं
बलवान्
हो सकता/सकती है।

5. कोष्ठकात् समुचितं क्रियापदं चित्वा उदाहरणानुसार अङ्गस्य कार्यं लिखन्तु।

(क) नयनं **पश्यति**।
(ख) जिह्वा **आस्वादनं करोति**।
(ग) मुखम् **वदति**।
(घ) पादः **चलति**।
(ङ) नासिका **आघ्राणं करोति**।
(च) कर्ण **शृणोति**।
(छ) हस्त **वस्तूनि आनयति**।

6. कोष्ठकात् समुचितं पदं चित्वा वाक्यानि रचयनतु।

(क) अहं **कर्णाभ्याम्** श्रवणं करोमि।
(ख) अहं **मुखेन** गायनं करोमि।
(ग) अहं **नासिकया** आघ्राणं करोमि।
(घ) अहं **मुखेन** भोजनं करोमि।
(ङ) अहं **पादाभ्यां** धावनं करोमि।

7. पट्टिकातः समुचितं शरीङ्गे चित्वा। कुत्र कि धरति इति सूचयन्तु।

(क) सोनी **पादपोः** पादुकाद्वयं धरति।
(ख) रमेशः **अङ्गुल्यां** मुद्रिका धरति।
(ग) धानी **कण्ठे** माला धरति।
(घ) अशोकः **ओष्ठयोः** ओष्ठरांग धरति।
(ङ) माधुरी **हस्तयोः** कङकणानि धरति।
(च) गगनः **वामहस्ते** घटीयन्त्रं धरति।
(छ) दीपिका **कर्णयोः** कुण्डलद्वय धरति।
(ज) भागिनी **ललाटे** कुडकुमं धरति।
(ञ) दीपा **नयनयोः** कज्जलं धरति।

8. वाक्यं शुद्धम् अशुद्धं वा इति सूचयन्तु।

(क) अहं कर्णाभ्यां भोजनं करोमि। **अशुद्धम्**
(ख) अहं हस्तेन कार्यं करोमि। **शुद्धम्**
(ग) अहं नासिका द्वारा श्वासं स्वीकरोमि। **शुद्धम्**
(घ) अहं अङ्गुष्ठैः गणनां करोमि। **शुद्धम्**
(ङ) अहं नयनाभ्यां श्रवणं करोमि। **अशुद्धम्**

9. कोष्ठकात् समुचितं क्रियापदं चित्वा उदाहरणानुसारं शरीराङ्गस्त नाम लिखन्तु।

(क) लिखति **हस्तः**।
(ख) पश्यति **नयनम्**।
(ग) सूचयति **अङ्गुली**।

(घ) धावति **पादद्वयम्**।

(ङ) शृणोति **कर्णः**।

(च) नमति **शिरः**।

10. पाठस्थ आधारेण निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् पूर्णवाक्येन उत्तरं लिखन्तु।

(क) उभयोः हस्तयोः गृहकार्यं करोति, वस्तूनि आनयति च।

(ख) पादद्वयस्य कारणेन माधवः चलति।

(ग) नासिका श्वासं स्वीकरोमि।

(घ) कर्णाभ्यां शृणोमि।

(ङ) मुखस्य कारणेन भोजनं करोति।

(च) उदरस्य पाचनात् शक्तिं प्राप्नोमि।

(छ) अङ्गुलयो वस्तूनि आनयति।

(ज) नेत्राणां कारणेन द्रष्टुं शक्नोति।

11. शरीराङ्गानां नामानि लिखन्तु।

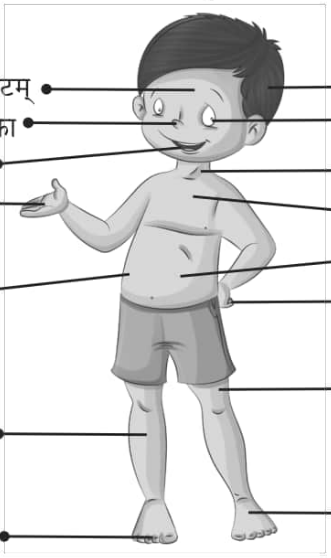

15. वृक्षाः सत्पुरुषाः इव

1. पाठगतानि सुभाषितानि स्मृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

(क) छायामन्यस्थ कुर्वन्ति **त्रिष्ठन्ति स्वयमातये**।
फलान्यपि परार्धाय वृक्षाः सत्पुरुषा इव।।

(ख) **दशकूपसमा वापी** दशवापी समो ह्रदः।
दश ह्रदसमः पुत्रः **दशपुत्रसमो द्रुमः**।

(ग) **परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः** परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकारायः दुहन्ति गावः परोपकाराय इंद शरीरम्।।

2. पाठस्य आधारेण अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

(क) नद्यः

(ख) परायथि

(ग) फलानि

(घ) ह्रदः

(ङ) सूर्यस्य आतपे

(च) वृक्षाणां

3. अधोलिखितानां पदानां द्विवचने बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु।

	द्विवचन	बहुवचन
(क)	छाये	छायाः
(ख)	मेघौ	मेघाः
(ग)	वृक्षौ	वृक्षाः
(घ)	सरोवरौ	सरोवराः
(ङ)	सत्पुरुषाः	सत्पुरुषाः
(च)	पुष्पे	पुष्पाणि
(छ)	वाप्यौ	वाप्यः
(ज)	जले	जलानि
(झ)	नद्यौ	नद्यः
(ञ)	शरीरे	शरीराणि

4. पाठस्य आधारेण अधोलिखितानां प्रश्नानाम् पूर्णवाक्येन लिखन्तु।

(क) जलम् नद्यः स्वयं न पिबन्ति।

(ख) शरीरं परोपाकाराय अस्ति।

(ग) वृक्षाः परार्धाय पुष्प-पत्र-फल-छाया-मूल-वलकल च यच्छन्ति।

(घ) सतां विभूतयः परोपकाराय भवन्ति।

(ङ) वृक्षा छायां कुर्वन्ति।

(च) दशपुत्रसमः ह्रद भवति।

(छ) वृष्ट्या उत्पन्नं सस्यं स्वयं मेघाः न खादन्ति।

(ज) प्राणिनः वृक्षात् पुष्पाणि, पत्राणि, फलानि, छायां मूलानि, वल्कानि काष्ठानि च प्राप्नुवन्ति।

5. अधोलिखितानां संस्कृत शब्दं अर्थं मातृभाषाया लिखन्तु।

अर्थः (हिन्दी)

(क) बादल

(ख) पानी

(ग) पेड़

(घ) तालाब

(ङ) नदी

(च) खाते हैं

(छ) अपने आप

(ज) उपकार के लिए

(झ) दूसरो के लिए

(ञ) बावडी

6. अधोलिखितानां मातृभाषया शब्दं अर्थं संस्कृतभाषया लिखन्तु।

अर्थः (हिन्दी)

(क) अर्थिन:

(ख) आतपे

(ग) सत्पुरुषा:

(घ) विभूतय:

(ङ) वल्कलम्

(च) दारूभि:

(छ) वापी

(ज) ह्रद:

(झ) वहन्ति

(ञ) वारिवाहा:

7. पट्टिकातः उचितानि पदानि चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयन्तु।

(क) छायाम् अन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयं **आतपे**।

(ख) फलानि अपि **परार्थाय** वृक्षा: सत्पुरुष: इव।

(ग) दशकूपै: समान। एका **वापी** भवति।

(घ) एक: वृक्ष: सर्वाधिक: **उपकारकः** भवति।

(ङ) एतेषां वृक्षाणां **जन्म** श्रेष्ठम् अस्ति।

(च) यथा सज्जनेभ्य: जनानां **निराशा** न भवति।

(छ) वृक्षस्य **फलानि** अन्य खादन्ति।

(ज) नदीनां जलस्य **उपयोगम्** अपि प्राणिन: कुर्वन्ति।

(झ) वृक्षा: कदापि **याचकान्** निराशान् न कुर्वन्ति।

(ञ) नद्य: स्वीयं **जलं** स्वयं न पिबन्ति।

8. अधोलिखितानां पदानां परस्परं समुचितं मेलनं कृत्वा 'कः किं ददाति' इति लिखन्तु।

(क) शिक्षक: विद्यां ददाति।

(ख) गौ दुग्धम् ददाति।

(ग) वृक्ष: शुद्ध वायु: ददाति।

(घ) सूर्य: प्रकाशं ददाति।

(ङ) नदी जलम् ददाति।

(च) अग्नि तापं ददाति।

9. अधोलिखितानां क्रियापदानां लट्लकोर प्रथम-पुरुषस्य रूपाणि लिखन्तु।

(क) पठति

(ख) फलति

(ग) तिष्ठति

(घ) पिबति

(ङ) खादति

(च) करोति

(छ) गच्छति

(ज) यच्छति

(झ) भवति

(ञ) वहति

10. अधोलिखितानां श्लोकस्य अर्थ हिन्दी भाषाया लिखन्तु।

अर्थ—एक पेड़ दूसरों के लाभ के लिए फल देता है, नदियाँ दूसरों के लाभ के लिए बहती है। गाय दूसरों के लाभ के लिए दूध देती है और यह शरीर दूसरों के लाभ के लिए है।